

मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए | By Gyan Pankaj

मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए
तेरे नाम की ही लगन चाहिए
मुझे एक पल ना भुलाना प्रभु
हूं सेवक तुम्हारा तुम्हारा रहूंगा सदा के लिए
मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए

मैं उलझा रहा जग के जंजाल में
कभी ध्यान में तुम को ला ना सका
भटकता रहा जिसकी खातिर सदा
वह क्या चीज है जो मैं पा ना सका
तुम ही से यह उलझन सुलझ पाएगी
यह नैया भंवर से निकल जाएगी
मुझे एक पल ना भुलाना प्रभु
हूं सेवक तुम्हारा तुम्हारा रहूंगा सदा के लिए
मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए

तुम्हें छोड़ अब किसको जाकर कहूं
तुम्हारे सिवा कोई सुनता नहीं
जमाना कहे कुछ भी कहता रहे
तेरी बेरुखी श्याम कैसे सहू
संभालोगे तुम तो संभल जाऊंगा
जो टुकराओगे तुम कहां जाऊंगा
मुझे एक पल ना भुलाना प्रभु
हूं सेवक तुम्हारा तुम्हारा रहूंगा सदा के लिए
मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए

हे मंदिर तुम्हारा सभी के लिए
जो आया मुकद्दर संवर जाएगा
पढ़ा ही रहूँ एक कोने में मैं
यह जीवन खुशी से गुजर जाएगा
ना बैठो प्रभु मुझसे मुख्य मोड़ कर
यह पंकज ना जाए तुम्हें छोड़कर
मुझे एक पल ना भुलाना प्रभु
हूं सेवक तुम्हारा तुम्हारा रहूंगा सदा के लिए
मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b9%e0%a4%bf%e0%a4%8f-by-g/>